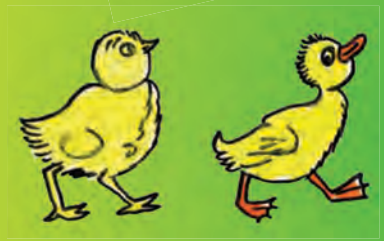

इस साल समर कैम्प के दौरान बच्चों ने कहानी बनाने और कहानी लिखने के साथ-साथ कहानी को संपादित करना और कहानी को संक्षिप्त में लिखना भी सीखा। मुझे विश्वास है कि तरह के तजुर्बों से बच्चे कहानियों और किताबों की दुनिया से जुड़ पायेंगें। रंग-तरंग के इस अंक में बच्चों द्वारा संपादित कुछ चुनिन्दा कहानियाँ प्रकाशित की गई हैं। उम्मीद है आपको पसन्द आयेंगी।

शुक्रिया!

मोहम्मद नसीम
(प्रधानाचार्य)

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, निज़ामुद्दीन (पश्चिम), नई दिल्ली

हुमायूँ का मकबरा। सुन्दर नर्सरी। हज़रत निज़ामुद्दीन बस्ती
शहरी विकास नवीकरण

आग़ा खाँ डेवलेपमेंट नेटवर्क

रंग तरंग

अगस्त 2014

सपना

एक गाँव में लकड़ी के एक छोटे से घर में एक बूढ़ा आदमी रहता था। अपने घर में वह बहुत खुश था। एक दिन जब वह सो रहा था जब अचानक उसे एक गधे की आवाज़ सुनाई दी। उसने बाहर आकर देखा तो एक गधा पेड़ के पास बैठ के चिल्ला रहा है। बूढ़े आदमी अंदर गया और एक रस्सी लेकर आया। गधे के गले में रस्सी डाली और घर में लाकर खूँटे से बाँध दिया। कुछ देर बाद उसे नींद आ गई। सोते-सोते उसे एक सपना आया। उसने देखा वह एक सुन्दर नौजवान है। उसकी दाढ़ी बनी हुई है और बाल सँवरे हुए है। कि वह गधा जो उसने घर में बाँधा था उसे अपनी पींठ पर बैठाकर दूर एक पहाड़ पर लेकर गया है। पहाड़ पूरा सोने का बना था। उसने पहाड़ से बहुत सारा सोना खोदा और घर आ गया। अब वह बहुत अमीर आदमी हो गया था।

बूढ़े आदमी की आँख खुल गई। उसने फौरन बाहर जाकर देखा। लेकिन गधा वहाँ पर नहीं था। वह उस गधे के बारे सोचने लगा और बहुत देर तक अपनी दाढ़ी को सहलाता रहा। अचानक उसके मन में एक ख़्याल आया। क्यों न मैं अपनी दाढ़ी कटवा दूँ और जवान हो जाऊँ? और अगर मैं जवान हो हो गया तो किसी अमीर लड़की से शादी कर लूगाँ और धीरे-धीरे अमीर हो जाऊँगा!

एक किसान की कहानी

एक किसान था। उसके दो बेटे थे। एक का नाम राजू और दूसरे का नाम हीरा वो दोनो साथ-साथ काम करते थे। एक दिन राजू और हीरा खेत में काम कर रहे थे। उसी समय एक आदमी वहाँ आया। उसने दोनो से पूछा "तुम क्या कर रहे हो?" राजू ने कहा "हम काम कर रहे है।" आदमी ने फिर पूछा "तुम एक ही खेत में काम कर रहे हो? जब तुम्हारी शादी हो जाएगी तब भी क्या तुम एक ही खेत में काम करोगे? इससे तो अच्छा है कि तुम खेत को दो हिस्सों में बाँट लो।

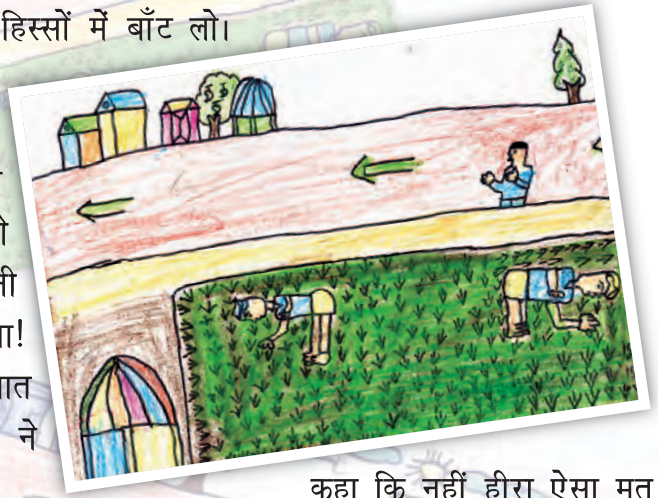

यह कहकर आदमी चला गया। हीरा सोचने लगा अगर मैं अपना हिस्सा अलग कर लूँ तो मैं आराम से फिर अपनी मर्ज़ी से काम करुंगा! उसने अपने मन की बात राजू को बताई। राजू ने कहा कि नहीं हीरा ऐसा मत सोचना, अगर हम इसे दो हिस्सों में बाँट देंगे तो अब्बू को अच्छा नहीं लगेगा। इस बात पर हीरा ने उससे झगड़ा कर लिया और बात तक करना छोड़ दिया।

किसान को जब उस बात का पता चला तो वह सोच में पड़ गया। उसने हीरा को समझाने की बहुत कोशिश की। लेकिन वह ज़िद पर अड़ा रहा। हार कर आख़िरकार किसान ने खेत के हिस्से कर ही दिए। उसने खेत के बी. चों-बीच ईट लगा कर उसे दो बराबर हिस्सों में बाँट दिया। हीरा खुश हो गया।

खेलो और सीखो

बच्चों ने स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

सुबह होते ही बूढ़ा आदमी नाई के पास गया और कहा ''मेरी बाल और दाढ़ी काट दो'' नाई ने पूछा ''तुम्हारे पास पैसे हैं''? बूढ़े ने कहा ''नहीं ये तो मैंने सोचा ही नहीं था''! नाई ने कहा ''पैसे नहीं है तो यहाँ से भागो''! बूढ़ा आदमी उदास होकर अपने घर की तरफ चल दिया। उधर नाई सोचने लगा अगर मैं इस बूढे आदमी की मदद कर दूँ तो अल्लाह भी खुश हो जायेगा और मुझे थोड़ा सा सवाब भी मिल जायेगा। नाई ये सोचतें-सोचतें बूढ़े को ढूँढ़ने निकला। उसने देखा कि बूढ़ा आदमी पेड़ के नीचे उदास बैठा था। नाई वहाँ पहुँचा और कहा ''बूढ़े बाबा मैं आपके बाल व दाढ़ी काट दूगाँ'' ये सुनकर बूढ़ा आदमी खुश हो गया।

नाई ने उसके सिर और दाढ़ी के बाल बाल काट दिए। बाल कटते ही बूढ़ा आदमी एकदम जवान हो गया और बहुत सुन्दर दिखने लगा। उसने एक बहुत अमीर लड़की से शादी कर ली और उसका सपना पूरा हो गया। उसने थोड़ा सा पैसा उस गरीब नाई को भी दे दिया। गरीब नाई बहुत खुश हुआ।

चित्रांकनः - (कक्षा 5)
शीरीन, महक, इकरा

कहानीः - (कक्षा 5)
सईदा, हुमा

जादुई चिराग़

तीन बच्चे थे। राजू, मोनू, और नीना। तीनों पार्क में खेल रहे थे। तभी राजू ने एक रंग-बिरंगी तितली देखी। वह उसके पीछे-पीछे भागने लगा। मोनू और नीना ने देखा राजू कहाँ गया? तभी उनकी नज़र जंगल की तरफ पड़ी। वह राजू को ढूँढने जंगल में गए। जंगल में बहुत सारे जानवर थे। वे दोनों डर गए! तभी नीना ने किसी बच्चे के पैरों के निशान देखे। वह समझ गई कि राजू इसी तरफ गया होगा। वह दोनों निशान देखते हुए उस तरफ चल पड़े। तभी नीना की नज़र राजू पर पड़ी। उसने राजू को आवाज दी। राजू दौड़ता हुआ मोनू और नीना के पास आ गया। उसके हाथ में एक पुराना सा चिराग़ था। मोनू और नीना ने पूछा ''यह क्या है?''

राजू बोला ''पता नहीं! मैने इसे यहीं से उठाया है।''

चलो देखते है कि यह क्या है? नीना ने जैसे ही वह चिराग़ हाथ में लिया, चिराग़ नीचे गिर गया। नीचे गिरते है चिराग़ में से एक बड़ा सा जिन्न निकल आया। तीनों समझ गए की यह तो जादूई चिराग। तीनो खुश हो गए। जिन्न ने बहुत भारी आवाज़ में तीनों से पूछा ''बताओ मेरे आका तुम्हारी क्या इच्छा है?'' मैं तुम्हारी चार इच्छा पूरी करुँगा। तीनों खुश हो गए। मोनू ने कहा ''हम तीनों को यहाँ से हमारे घर

पहुँचा दो'' राजू ने कहा ''हम तीनों को ढेर सारे खेल-खिलौनें ला दो। नीना ने कहा की हमें अच्छे-अच्छे कपड़े और जूते और चॉकलेट ला दो। जिन्न ने झटपट सारे काम कर दिए। फिर जिन्न ने कहा कि अभी एक इच्छा और बाकी है। माँगो जो माँगना है। तीनों ने मिलकर कहा कि हमें आसमान सैर करा दो। जिन्न ने तीनों को आसमान की खूब सैर कराई। तीनों खुशी-खुशी घर वापस आए और सो गए।

कहानीः - (कक्षा 3)
अंजली, खुशी, सोनिया, मोनिका, रागिनी

चित्रांकनः -
सलाउद्दीन, अंबिया, महविश

एक अनोखा फर्श

पिछले कुछ महीनों की मेहनत के बाद M.C.H Centre के लिए एक अनोखा फर्श बनाया गया है।

इस फर्श की कहानी शुरु दरवाजे से जहाँ एक हाथी बना है। फिर दो कच्छुऐं बने हैं जिसके बाद तीन हाथी फिर लौट आते हैं। इस ज़मीन पर चलने वाले जानवरों के बाद एक सुंदर हरा जंगल आता है जिसमें रंग बिरंगी चिड़याँ उड़ती हैं। इस तरहा यह कहानी फर्श पर आगे बढ़ती है।

हमारी बस्ती में पहली बार बच्चों के लिए इस तरह का सुंदर सेंटर बना है जिसमें वह बेहिचक खेल सकते हैं। और खेलते खेलते बहुत कुछ सीख सकते हैं।

एक दिन हीरा और राजू दोनों अपने-अपने खेत में हल चला रहे थे। अचानक हीरा का बैल ज़मीन पर गिरा और मर गया। हीरा बहुत परेशान हुआ। उसके पास पैसे भी नहीं थे। यह देख कर राजू उसके पास आया और बोला कि भाई घबराने की बात नहीं। तुम मेरे बैल ले लो और अपने खेत जोत लो। हीरा बहुत शर्मीन्दा हुआ। उसने राजू से माफ़ी माँगी और कहा कि हम अब कभी अलग नहीं होंगे। उसने खेत के बीच में लगीं ईंटें हटा दी और फिर से साथ काम करने लगा। किसान दोनों भाईयों के इस प्यार को देखकर बहुत खुश हुआ।

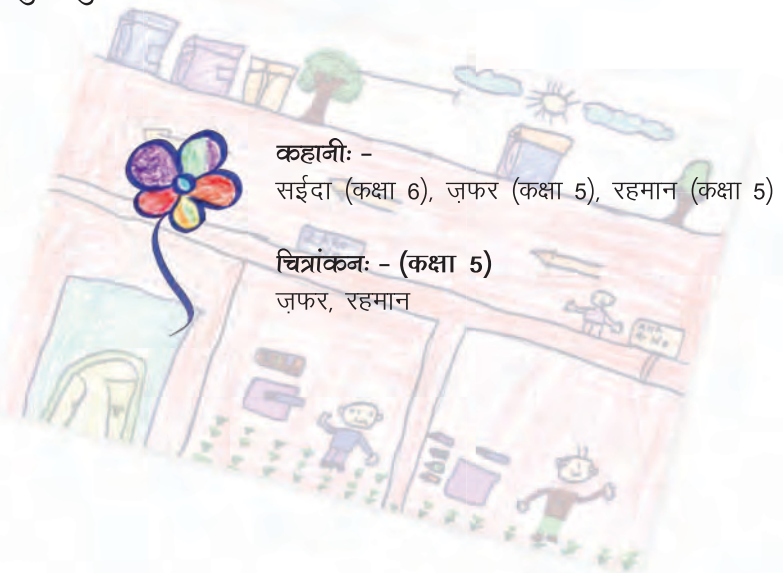

कहानीः -
सईदा (कक्षा 6), ज़फर (कक्षा 5), रहमान (कक्षा 5)

चित्रांकनः - (कक्षा 5)
ज़फर, रहमान